एक नजर में

आज इन इलाकों में गुल रहेगी बिजली

गुना। शहर के विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के सहायक प्रबंधक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बुधवार 08 अप्रैल को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में मेंटेनेंस कार्य के चलते बिजली की आपूर्ति बाधित रहेगी। 33/11 केवी पावर हाउस सब-स्टेशन से जुड़े 11 केवी बूढ़े बालाजी और नजूल फीडर पर आवश्यक रखरखाव किया जाना है, जिसके कारण सुबह 09 बजे से दोपहर 02 बजे तक लक्ष्मीगंज, सोनी कॉलोनी, दुबे कॉलोनी, बैजू चौराहा, जयस्तम्भ चौराहा और चौधरन कॉलोनी सहित तलैया मोहल्ला, भार्गव कॉलोनी, मटकरी कॉलोनी, गुरुनानक कॉलोनी, नजूल कॉलोनी, स्टेशन रोड एवं जीनघर में विद्युत प्रवाह बंद रहेगा।

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास

गुना। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला न्यायाधीश अमिताभ मिश्र के मार्गदर्शन में आज जिला न्यायालय परिसर में विशाल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में जिला चिकित्सालय के समन्वय से आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य न्यायिक कर्मचारियों, अधिवक्ताओं और पक्षकारों के स्वास्थ्य की देखभाल सुनिश्चित करना था। शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमिताभ मिश्र द्वारा दीप प्रज्वलित कर और महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में अमिताभ मिश्र ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि शरीर स्वस्थ रहेगा, तभी हम अपने कार्य पूरी ऊर्जा और स्फूर्ति के साथ संपन्न कर सकते हैं। अक्सर हम छोटी स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं, जो बाद में गंभीर बीमारी का रूप ले लेती हैं। इनसे बचाव के लिए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित सभी कर्मचारियों और अधिवक्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि कार्य की व्यस्तता के बीच अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना जरूरी है।

छात्रावासों के हाल : शिक्षा के मंदिरों में अव्यवस्थाओं पर पनपा आक्रोश

एबीवीपी का आरोप-निजी स्कूलों ने सूची मुहैया नहीं कराई, इसलिए नहीं लग पाया पुस्तक मेला

नवभारत न्यूज

गुना 7 अप्रैल का। जिले के निजी और सरकारी स्कूल और छात्रावासों के हाल बेहाल हैं। छात्र समय-समय पर प्रबंधन और शिक्षा विभाग को अव्यवस्थाओं से अवगत करा रहे हैं, लेकिन धरातल पर हालात नहीं बदल रहे हैं। मंगलवार को भी गुना में शिक्षा व्यवस्था के बिगड़ते हालात छात्रों ने उजागर किए। एबीवीपी शिक्षा विभाग पहुंच गया और निजी व स्कूलों की अव्यवस्थाओं की पोल खोल दी। तो एक शासकीय हॉस्टल के छात्रों ने बताया कि कैसे प्रशासनिक अमला उन्हें परेशान कर रहा है।

जिले के शैक्षणिक संस्थानों में बढ़ती अनियमितताओं और शिक्षा के व्यवसायीकरण के विरोध में मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जिला शिक्षा अधिकारी के नाम एक 5 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि एक माह के भीतर मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। एबीवीपी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जिले में शिक्षा का पूरी तरह से व्यापारीकरण हो चुका है। शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद निजी स्कूलों ने दिसंबर तक अपनी पाठ्यपुस्तकों की सूची डीईओ कार्यालय में जमा नहीं की। इस लापरवाही के कारण जिले में पुस्तक मेलों का आयोजन नहीं हो सका, जिसका सीधा फायदा निजी स्कूल और चुनिंदा पुस्तक विक्रेता उठा रहे हैं। अभिभावकों को ऊंचे दामों पर निर्धारित दुकानों से ही कोर्स खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। ज्ञापन में स्कूलों के भीतर छात्रों के साथ होने वाली सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों के दौरान द्वेषपूर्ण

कार्रवाई का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया है। संगठन ने मांग की है कि स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं। विशेष रूप से आगजनी, मधुमक्खी के हमले या अन्य आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए स्कूलों में नियमित रूप से मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए।

न बिल्डिंग, न प्रयोगशाला

विद्यार्थी परिषद ने जिले के शासकीय और निजी स्कूलों की जर्जर इमारतों की ओर भी प्रशासन का ध्यान खींचा है। मांग की गई है कि ऐसी इमारतों की तत्काल मरम्मत कराई जाए या उनका पुनर्निर्माण हो।

साथ ही, स्कूलों में विज्ञान विषयों की प्रयोगशालाएं सुनिश्चित करने और सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की समय पर उपस्थिति अनिवार्य करने की मांग भी रखी गई है। शिक्षा विभाग की ओर से ज्ञापन लेने पहुंचे एस.के. शिवहरे ने एबीवीपी के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया है कि वे इन सभी बिंदुओं पर जिला शिक्षा अधिकारी से चर्चा करेंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि एक महीने के भीतर इन समस्याओं के निराकरण हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

छात्रावास के बीच से नाली निर्माण का विरोध

शहर के आकाशवाणी केंद्र के पास स्थित पीएमएस आवास छात्रावास के छात्रों ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। छात्रावास परिसर के भीतर से नाली निर्माण किए जाने के विरोध में मंगलवार को बड़ी संख्या में छात्र जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और जनसुनवाई में अपनी समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। छात्रों का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन छात्रावास की जमीन के बिल्कुल बीचों-बीच नाली का निर्माण करा रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि छात्रावास परिसर के अंदर नाली बनाई जाती है, तो इससे भविष्य में कई गंभीर समस्याएं पैदा होंगी।

स्वास्थ्य के लिए जोखिम

नाली के कारण परिसर में गंदगी रहेगी और मच्छरों के पनपने से डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा, जो वहां रह रहे छात्रों के स्वास्थ्य के लिए बड़ा जोखिम है। जनसुनवाई में पहुंचे छात्रों ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल खड़े किए। छात्रों का कहना है कि जो नगर पालिका अपने खुद के कार्यालय की सही ढंग से देख-रेख नहीं कर पा रही है, वह छात्रावास के बीच बनने वाली नाली की सफाई और रखरखाव की गारंटी कैसे दे सकती है? छात्रों ने आरोप लगाया कि बिना दूरदर्शिता के किए जा रहे इस निर्माण से छात्रावास का शैक्षणिक माहौल और स्वच्छता पूरी तरह खराब हो जाएगी।

दो बीघा जमीन के लिए महिला के मुंह में कपड़ा ठूंसा, बेरहमी से पीटा

नवभारत न्यूज

गुना। जिले के चांचौड़ा तहसील अंतर्गत ग्राम पेंची में जमीनी विवाद को लेकर हैवानियत का मामला सामने आया है। यहाँ मात्र दो बीघा जमीन के टुकड़े के लिए एक महिला को अकेला पाकर उसके साथ न केवल मारपीट की गई, बल्कि आरोपियों ने उसका मुंह कपड़े से बंद कर दिया ताकि उसकी चीखें बाहर न जा सकें। न्याय की उम्मीद में पीड़िता घायल अवस्था में ही जिला कलेक्ट्रेट पहुंची और जनसुनवाई में अपनी आपबीती सुनाई।

जख्मी हालत में अपने भाइयों के सहारे कलेक्ट्रेट पहुंचे रवीना पत्नि लक्ष्मण सिंह मीना ने जिला प्रशासन को बताया कि वह अपने खेत पर गई थी, जहाँ परिवार के ही

दबंगों ने उसे घेर लिया। पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और फिर लाठी-डंडों से उस पर टूट पड़े। इस हमले में रवीना के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित महिला ने जनसुनवाई में दिए आवेदन में बताया कि करीब दो महीने पहले उनकी जमीन का विधिवत बंटवारा हो गया था। इस बंटवारे में 2 बीघा जमीन रवीना के परिवार के हिस्से में आई थी, लेकिन आरोपी पक्ष की नियत इस जमीन पर खराब है और वे लगातार कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। पीड़िता का आरोप है कि उसके परिवार के साथ अब तक दो बार मारपीट की जा चुकी है। कलेक्ट्रेट पहुंची रवीना ने स्थानीय पुलिस की भूमिका पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि पुलिस इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं कर रही है। मारपीट में कैलाशनारायण, गोविंद सिंह और एक महिला सहित कुल चार लोग शामिल थे, लेकिन पुलिस ने केवल दो लोगों के खिलाफ ही शिकायत दर्ज की है। इसी भेदभाव और पुलिसिया ढुलमुल रवैये से परेशान होकर उसे घायल हालत में कलेक्टर की शरण लेनी पड़ी। हाथ-पैरों में पट्टियां बंधे और जख्मों से कराहती हुई रवीना जब कलेक्ट्रेट पहुंची, तो वहां मौजूद लोग भी दंग रह गए। महिला ने अधिकारियों से मांग की है कि सभी चारों आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए।

400 परिवार अंधेरे में जीने को मजबूर, जहरीले जंतुओं का डर

गुना। शहर के नजदीक स्थित सिंगवासा चक बस्ती के ग्रामीण आज भी आजादी के इस दौर में अंधेरे में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। बिजली विभाग की निरंतर अनदेखी से परेशान होकर मंगलवार को ग्रामीण, नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ठ के नेतृत्व में जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और अपनी पीड़ा सुनाई। ग्रामीणों ने बताया कि सिंगवासा चक में बीपीएल कोटे के तहत दो डीपी रखी गई हैं। नियमानुसार इन डीपी से ग्रामीणों को घरेलू कनेक्शन मिलने चाहिए, लेकिन विभाग की लापरवाही के कारण अब तक कनेक्शन नहीं दिए गए हैं। आलम यह है कि करीब 400 परिवारों वाली इस बस्ती में लोग अंधेरे में रात गुजार रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे उनका भविष्य अंधकारमय हो रहा है। बस्ती में बिजली न होने के कारण सुरक्षा का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने दावा किया कि पूर्व में अंधेरे की वजह से कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। जहरीले जंतु घरों में घुस जाते हैं, जिससे लोग शिकार बन रहे हैं। कुछ ग्रामीणों की तो जहरीले जंतुओं के काटने से मौत तक हो चुकी है। उन्होंने सत्ताधारी दल के जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि गरीब परिवारों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। वर्तमान में ग्रामीण खेती के लिए मिलने वाली अनियमित बिजली से कभी-कभार बल्ब जला लेते हैं, लेकिन उसकी सप्लाई का कोई निश्चित समय नहीं है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि बीपीएल डीपी से तत्काल घरेलू कनेक्शन दिए।

धाकड़ समाज का 8वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 8 मई को

नवभारत न्यूज

फतेहगढ़। विकासखंड बमोरी की ग्राम पंचायत धाननखेड़ी में अखिल भारतीय क्षत्रिय धाकड़ समाज द्वारा 8 मई को भव्य आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक एकता को बढ़ावा देने और विवाह समारोहों में होने वाली अनावश्यक फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले इस सम्मेलन की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं।

धाकड़ कर्मचारी अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष लालसिंह धाकड़ ने बताया कि सम्मेलन को व्यवस्थित और अनुशासित बनाए रखने के लिए इस बार आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। पूरे आयोजन की निगरानी ड्रोन कैमरों के माध्यम से की जाएगी।

विवाह योग्य जोड़ों के लिए पंजीयन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। समिति ने स्पष्ट किया है कि केवल निर्धारित आयु पूर्ण करने वाले जोड़ों का ही पंजीयन किया जाएगा। आचार्य पं. प्रकाश नारायण भार्गव और पंडित अशोक भार्गव के अनुसार, कार्यक्रम का शुभारंभ 6 मई को गणेश पूजन के साथ होगा। 7 मई को मंडप छाया की रस्म निभाई जाएगी। मुख्य आयोजन 8 मई को होगा, जिसमें बारात आगमन, प्रीतिभोज और वैदिक रीति-रिवाजों के साथ पाणिग्रहण संस्कार संपन्न कराए जाएंगे। सम्मेलन समिति के सदस्यों के अनुसार, वर एवं वधू पक्ष से 21,002 रुपए का सहयोग शुल्क लिया जाएगा।

इसके बदले में वधू को वैवाहिक जीवन के लिए आवश्यक सामग्री उपहार स्वरूप प्रदान की जाएगी। सामूहिक विवाह के माध्यम से समाज का उद्देश्य परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करना और सादगीपूर्ण विवाह को प्रोत्साहित करना है।

भ्रष्टाचार और दलालों के विरुद्ध मोर्चा, शिकायत के लिए जारी किया मो. नंबर

गुना। नगर पालिका परिषद गुना की अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने शहरवासियों से सीधा संवाद करते हुए नगर पालिका के कार्यों में पारदर्शिता लाने और भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेस नोट जारी किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर पालिका परिषद भारतीय जनता पार्टी की जन-हितैषी नीतियों के अनुरूप कार्य कर रही है और किसी भी स्तर पर बिचौलियों या अवैध वसूली को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अध्यक्ष ने शहर के गणमान्य नागरिकों और पार्षदों से मिली शिकायतों का संज्ञान लेते हुए अपील की है कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और वैधानिक प्रक्रियाओं में यदि कोई भी अवैध राशि की मांग करता है, तो उसकी सूचना तत्काल दी जाए। इसमें मुख्य रूप से प्रधानमंत्री आवास कुटी आवंटन, संपत्ति नामांतरण, भवन अनुज्ञा (परमिशन), श्रम कार्ड, संबल कार्ड और खाद्यान्न पर्ची जैसे कार्य शामिल हैं। उन्होंने साफ किया कि नगर पालिका की अधिकृत ऑनलाइन एजेंसी या किसी भी कर्मचारी को निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त एक भी रुपया न दें। अध्यक्ष ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई अधिकारी, कर्मचारी, बिचौलिया या ऑनलाइन एजेंसी का व्यक्ति

शासन की योजनाओं के नाम पर नागरिकों का आर्थिक शोषण करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध न केवल विभागीय कार्रवाई होगी, बल्कि तत्काल स्वड्ढकदर्ज कराकर कठोर कानूनी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा करना ही उनका प्राथमिक दायित्व है और इसमें किसी भी प्रकार की बाधा डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

सीधे अध्यक्ष से करें संपर्क

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अध्यक्ष ने अपना व्यक्तिगत मोबाइल नंबर 94072-27995 सार्वजनिक किया है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि उन्हें नगर पालिका से जुड़े किसी भी वैधानिक कार्य में परेशानी आ रही हो या कोई रिश्वत की मांग कर रहा हो, तो वे सीधे इस नंबर पर कॉल कर जानकारी दें। प्रशासन आपकी समस्या के त्वरित निराकरण में पूर्ण सहयोग करेगा।

फतेहगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बाइक से गांजा तस्करी करते एक आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

गुना। पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर और एसडीओपी विवेक अष्टाना के मार्गदर्शन में फतेहगढ़ थाना प्रभारी अभिषेक तिवारी की टीम निवेरी गांव के पास वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान नाहरगढ़ की ओर से आ रहे एक बाइक सवार ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। संदेह होने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम कल्लू पुत्र बादाम सिंह राजपूत (31 वर्ष), निवासी ग्राम खडेला, बमोरी बताया। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद प्लास्टिक के कट्टे से 4.070 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने 01 लाख रुपये कीमत का गांजा और 75 हजार रुपये की बाइक सहित कुल 1.75 लाख रुपये का मशरुका जप्त किया है। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस अब उसके नेटवर्क की जांच कर रही है।

गुना की बेटी लक्की सक्सेना 'इंदिरा ज्योति अभियान' से सम्मानित

गुना। गांधीवादी विचारधारा और रामराज्य की संकल्पना को धरातल पर उतारने के लिए प्रयासरत श्री सनातन एकता मिशन ट्रस्ट गुना की संस्थापक लक्की सक्सेना को इंदौर में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में इंदिरा ज्योति सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें ट्रस्ट द्वारा संचालित निशुल्क बुक बैंक के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे अभूतपूर्व कार्यों के लिए दिया गया है।

इंदौर के आईसीएच सभागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में गुना की नारी शक्ति का दबदबा रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भास्कर राव रोकड़े रहे, जबकि अध्यक्षता सम्यक अभियान महिला संगठन की संरक्षक डॉ अर्चना जायसवाल ने की।

इसके अलावा कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं सम्यक अभियान के प्रभारी पीसी शर्मा, प्रदेश संगठन प्रभारी संजय कामले, प्रदेश मुख्य समन्वयक शैलेंद्र श्रीवास्तव, आयोजन समिति के सदस्य राधेश्याम पटेल भी मौजूद रहे।

शेयर मार्केट के नाम पर 74 लाख की ठगी

गुना। कुंभराज निवासी यश श्रीमाल ने जुलाई 2025 में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात ठगों ने खुद को निवेश कंपनी का प्रतिनिधि बताकर उन्हें ऊंचे मुनाफे का लालच दिया। विश्वास में लेकर आरोपियों ने अलग-अलग बैंक खातों में करीब 74 लाख रुपये जमा करा लिए और बाद में संपर्क तोड़ दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर और एसडीओपी मनोज कुमार झा के मार्गदर्शन में कुंभराज थाना प्रभारी पंकज त्यागी की टीम ने बैंक खातों और तकनीकी साक्ष्यों की जांच की। इसके आधार पर पुलिस ने आरोपी सुनील पुत्र शंकरलाल चौधरानी (40 वर्ष), निवासी सेक्टर-9 उदयपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

पाखंड 400 आदिवासियों को भोज देकर आस्था परिवर्तन की कोशिश

गुना के मोहनपुर खुर्द में 'चंगाई' के नाम पर अंधविश्वास का खेल

गुना। जिला मुख्यालय से महज 22 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम मोहनपुर खुर्द में रविवार को ईस्टर के नाम पर एक बड़ा आयोजन किया गया, जिसमें धर्मांतरण और अंधविश्वास के गंभीर आरोप सामने आए हैं। यहाँ लगभग 300 से 400 गरीब आदिवासियों को एकत्रित कर सामूहिक भोज दिया गया और 'प्रार्थना से बीमारी ठीक होने' जैसे दावों के जरिए उन्हें एक नए प्रकार के पाखंड की ओर धकेला जा रहा है।

गाँव की जमीनी हकीकत बताती है कि जहाँ स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है, वहाँ मिशनरी तंत्र सक्रिय हो गया है। मेहंदी बाई और रुकमणी जैसी महिलाओं ने बताया कि झाड़-फूंक से आराम न मिलने पर उन्हें 'यीशु की चंगाई' का

रास्ता दिखाया गया। गंभीर रूप से बीमार लोगों को डॉक्टर के पास ले जाने के बजाय उन्हें केवल प्रार्थना के भरोसे छोड़ दिया गया। ज्ञान सिंह, जिनके हाथ-पैर सूख रहे थे, और एक्सीडेंट की शिकार गीता बाई को चिकित्सा के बजाय केवल धार्मिक प्रार्थनाओं का झांसा दिया गया, जो सीधे तौर पर एक बीमार व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

कानून से बचने के लिए रटाई गई भाषा

आयोजन के संचालक उत्तम ने इसे 'मन परिवर्तन' करार दिया, जबकि ग्रामीण महिलाएं इसे 'परमेश्वर का पुत्र' बता रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मध्यप्रदेश धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम की कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए ग्रामीणों को यह विशिष्ट भाषा सोच-समझकर रटाई गई है। स्थानीय युवक विशाल, जिसने दतिया के मिशनरी स्कूल से शिक्षा प्राप्त की है, अब गाँव-गाँव जाकर इन वचनों को फैलाने का कार्य कर रहा है, जो एक सुनियोजित रणनीति का हिस्सा प्रतीत होता है। ग्रामीणों ने स्वीकार किया कि 20 साल पहले यहाँ ऐसी गतिविधियाँ नहीं थीं। अब बकरे और मुर्गों के भोज के प्रलोभन के जरिए आदिवासियों को इकट्ठा किया जाता है। आरोप है कि विदेशी धन और सुनियोजित मिशनरी रणनीति के तहत स्थानीय युवाओं को तैयार कर उन्हीं के समाज की पारंपरिक पहचान और आस्था को बदलने का काम किया जा रहा है।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

जिला मुख्यालय के इतने करीब खुलेआम सैकड़ों आदिवासियों को प्रलोभन देकर और अंधविश्वास फैलाकर यह खेल चल रहा है, लेकिन प्रशासन मौन बना हुआ है। मध्यप्रदेश धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम के तहत प्रलोभन देकर धर्मांतरण एक दंडनीय अपराध है। ऐसे में एसडीएम, तहसीलदार और स्थानीय पुलिस की निष्क्रियता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि जब तक शासन स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं इन क्षेत्रों में नहीं पहुँचाता, तब तक मजबूर आदिवासी इसी तरह मिशनरी तंत्र का शिकार होते रहेंगे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं 220 आवेदकों की समस्याएं

नवभारत न्यूज

गुना। मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने आमजन की शिकायतों और समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित लगभग 220 आवेदन प्रस्तुत किए।

जनसुनवाई में आए आवेदकों ने मुख्य रूप से भूमि सीमांकन, नामांतरण, बिजली बिलों में सुधार, पेंशन बहाली और नगर पालिका से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं के अभाव संबंधी शिकायतें दर्ज कराईं। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े आवेदन भी प्राप्त हुए। कलेक्टर ने मौके पर ही मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। कलेक्टर के निदेर्शों पर जनसुनवाई परिसर में ही विशेष स्वास्थ्य शिविर और आधार केंद्रों की व्यवस्था की गई थी। वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया को गति दी गई।

सार्वजनिक सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि धन बाई अहिरवार पुत्री स्व. श्री चंचल सिंह अहिरवार जिसकी जन्म तिथि 16/10/2009 है, मेरी पुत्री है। उक्त नाम उसके जन्म प्रमाण पत्र, मा. शि. मं. मध्यप्रदेश भोपाल की हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2025, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, समग्र परिवार कार्ड में दर्ज है।

मेरी पुत्री धन बाई अहिरवार पुत्री स्व. श्री चंचल सिंह अहिरवार का नाम लक्ष्मी बाई त्रुटिपूर्ण उसके आधार कार्ड में दर्ज हो गया है। जिसे सुधारा जाना है।

मेरी पुत्री धन बाई अहिरवार पुत्री स्व. श्री चंचल सिंह अहिरवार का वास्तविक नाम 'धन बाई अहिरवार' है। जिसे उक्त नाम से ही जाना पहिचाना जाये।

हस्ताक्षर

सितम बाई पत्नी स्व. श्री चंचल सिंह अहिरवार आयु 36 वर्ष व्यवसाय ग्रहणी निवासी ग्राम हुसैनेपुर पोस्ट पनवाड़ी हाट तहसील आरोंन जिला गुना (म. प्र.)